vinetur

डिंकेलाकर और राडेबर्गर की स्टटगार्ट बीयर ब्रांडों के लिए 50-50 संयुक्त उद्यम की योजना

जर्मनी के कार्टेल कार्यालय की मंजूरी मिलने पर प्रस्तावित कंपनी स्थानीय ब्रांडों की बीयर बनाने, बोतलबंदी और वितरण का जिम्मा संभालेगी

मंगलवार, 17 नवंबर 2026



Brauwelt की सोमवार, 16 नवंबर की रिपोर्ट के अनुसार, Dinkelacker Brauerei Beteiligung GmbH & Co. KG और Radeberger Gruppe स्टटगार्ट में अपने बीयर कारोबार के कुछ हिस्सों को एक नई 50-50 संयुक्त उद्यम कंपनी के माध्यम से मिलाने की योजना बना रहे हैं।

कंपनियों ने बताया कि वे Stuttgarter Brauereien GmbH & Co. KG बनाएंगी, जिसमें दोनों साझेदारों की बराबर हिस्सेदारी होगी। उम्मीद है कि नई कंपनी दोनों समूहों के स्टटगार्ट बीयर ब्रांडों के लिए अपने जिम्मे बीयर बनाएगी, बोतलबंदी करेगी और वितरण करेगी।

घोषणा के अनुसार, साझेदारों ने कहा कि इस उद्यम का उद्देश्य स्टटगार्ट की बीयर बनाने की परंपरा को लंबे समय तक बनाए रखना और सुरक्षित करना है। इस व्यवस्था के तहत इन स्थानीय ब्रांडों की प्रमुख परिचालन गतिविधियां दोनों शराब बनाने वाली कंपनियों के बीच बंटी रहने के बजाय एक संयुक्त स्वामित्व वाली कंपनी के अधीन होंगी।

सौदा अभी पूरा नहीं हुआ है। इसके लिए जर्मनी के संघीय कार्टेल कार्यालय, यानी देश की प्रतिस्पर्धा-विरोधी

गतिविधियों पर निगरानी रखने वाली संस्था, की मंजूरी जरूरी है। इसकी समीक्षा पूरी होने तक संयुक्त उद्यम एक प्रस्तावित सौदा ही रहेगा, अंतिम रूप से संपन्न सौदा नहीं।

Brauwelt की प्रकाशित जानकारी में वित्तीय शर्तों का खुलासा नहीं किया गया। यह भी नहीं बताया गया कि नियामकों से योजना को मंजूरी मिलने पर नई कंपनी कब काम शुरू करेगी, या इस व्यवस्था से उत्पादन स्थलों, कर्मचारियों अथवा लॉजिस्टिक्स में कोई बदलाव होगा या नहीं।

इन बातों पर स्पष्टता न होने के बावजूद, यह सौदा इस बात का संकेत है कि जर्मनी में बीयर निर्माता स्थापित क्षेत्रीय ब्रांडों को बनाए रखते हुए उत्पादन, बोतलबंदी और वितरण को नए सिरे से व्यवस्थित करने के लिए औद्योगिक साझेदारियों का सहारा ले सकते हैं। बीयर निर्माताओं के लिए, ऐसी साझा व्यवस्थाएं अलग-अलग ब्रांड पहचान तुरंत छोड़े बिना विनिर्माण और व्यावसायिक गतिविधियों को एक साथ लाने का रास्ता दे सकती हैं।

इससे स्टटगार्ट का यह समझौता पेय कारोबार के व्यापक परिदृश्य में भी प्रासंगिक हो जाता है। बीयर और अन्य पेय पदार्थ बनाने वाली कंपनियों पर स्थानीय ब्रांडों की विरासत को उत्पाद बनाने, पैकेजिंग और बाजार तक पहुंचाने की लागत के साथ संतुलित करने का दबाव बढ़ा है। अगर इस उद्यम को मंजूरी मिलती है, तो यह इस बात का एक करीबी निगरानी वाला उदाहरण बन सकता है कि स्थापित कंपनियां अपने परिचालन ढांचे को बदलते हुए क्षेत्रीय ब्रांडों को सुरक्षित रखने की कोशिश कैसे करती हैं।